लोकतंत्र के परिणाम

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन कैसे करें?

प्रश्न 1 (आसान). लोकतंत्र से आपको सबसे पहली क्या उम्मीद होती है?
उत्तर – नागरिकों में समानता।

प्रश्न 2 (आसान). क्या लोकतंत्र हमेशा तुरंत सारी समस्याएं हल कर देता है?
उत्तर – नहीं, यह एक प्रक्रिया है जिसमें समय लगता है।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर कोई लोकतांत्रिक सरकार लोगों की गरिमा का सम्मान न करे, तो इसका क्या परिणाम हो सकता है?
उत्तर – लोग उस सरकार से असंतुष्ट हो सकते हैं और विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). आप कैसे कह सकते हैं कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है?
उत्तर – चुनावों के माध्यम से सरकार बदली जा सकती है, विरोध प्रदर्शनों या मीडिया के माध्यम से सरकार पर दबाव डाला जा सकता है ताकि वह अपनी नीतियों में सुधार करे।

» लोकतंत्र: उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन

प्रश्न 5 (आसान). उत्तरदायी सरकार का क्या अर्थ है?
उत्तर – उत्तरदायी सरकार वो है जो लोगों की ज़रूरतों और मांगों पर ध्यान देती है।

प्रश्न 6 (आसान). लोकतंत्र में फैसले लेने में देर क्यों लगती है?
उत्तर – सबकी राय जानने और बहस करने में समय लगता है, जिससे बेहतर और स्वीकार्य फैसले होते हैं।

प्रश्न 7 (मध्यम). क्या गैर-लोकतांत्रिक सरकारें भी 'वैध' हो सकती हैं? क्यों या क्यों नहीं?
उत्तर – नहीं, गैर-लोकतांत्रिक सरकारें वैध नहीं होतीं क्योंकि उन्हें लोगों द्वारा चुना नहीं जाता और उन्हें कानूनी मान्यता नहीं मिलती है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक लोकतांत्रिक सरकार लोगों के प्रति जिम्मेदार कैसे बनती है, जब फैसले अक्सर देर से होते हैं?
उत्तर – देरी के बावजूद, लोकतांत्रिक सरकारें नियमित चुनाव, खुली सार्वजनिक बहस और सूचना के अधिकार जैसे तंत्रों से जिम्मेदार बनती हैं। यह सुनिश्चित करता है कि वे अंततः लोगों के प्रति जवाबदेह रहें और गलतियों को सुधारा जा सके, भले ही प्रक्रिया में समय लगे।

» आर्थिक संवृद्धि और विकास पर लोकतंत्र का प्रभाव

प्रश्न 9 (आसान). आर्थिक विकास के मामले में 1950 से 2000 के बीच किस प्रकार के शासन का रिकॉर्ड थोड़ा बेहतर रहा?
उत्तर – तानाशाही

प्रश्न 10 (आसान). क्या आर्थिक विकास केवल सरकार के प्रकार पर निर्भर करता है?
उत्तर – नहीं, अन्य कारक भी महत्वपूर्ण होते हैं।

प्रश्न 11 (मध्यम). उन दो-तीन कारकों के नाम बताओ जो आर्थिक विकास को प्रभावित करते हैं, सरकार के प्रकार के अलावा।
उत्तर – देश की जनसंख्या का आकार, वैश्विक स्थिति, अन्य देशों से सहयोग।

प्रश्न 12 (कठिन). अगर लोकतांत्रिक सरकारें आर्थिक विकास में थोड़ा पीछे भी रह जाएँ, तो भी हम उन्हें क्यों बेहतर मानते हैं?
उत्तर – क्योंकि लोकतंत्र के अन्य कई सकारात्मक फायदे हैं जैसे लोगों को अधिकार मिलना, ज़िम्मेदार और वैध सरकार होना, और गरिमापूर्ण जीवन का मौका मिलना।

» लोकतंत्र में असमानता और गरीबी में कमी

प्रश्न 13 (आसान). क्या लोकतंत्र हमेशा आर्थिक असमानता को कम करता है?
उत्तर – नहीं, वास्तविक जीवन में ऐसा हमेशा नहीं होता।

प्रश्न 14 (आसान). लोकतंत्र में राजनीतिक समानता का क्या अर्थ है?
उत्तर – प्रतिनिधियों के चुनाव में हर व्यक्ति का वोट बराबर होता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर देश की कुल आय बढ़े, तो क्या गरीबी हमेशा कम होती है? क्यों?
उत्तर – नहीं, ज़रूरी नहीं। आय बढ़ने पर भी अगर उसका वितरण असमान हो, तो कुछ लोग बहुत अमीर हो जाते हैं, और गरीब वैसे ही रह जाते हैं या और पीछे छूट जाते हैं, जिससे गरीबी कम नहीं होती।

प्रश्न 16 (कठिन). लोकतांत्रिक सरकारें गरीबी कम करने के लिए उतनी उत्सुक क्यों नहीं दिखतीं जितनी उम्मीद की जाती है, जबकि ज़्यादातर मतदाता गरीब हैं?
उत्तर – यह एक जटिल मुद्दा है। कई बार सरकारें उन नीतियों को प्राथमिकता देती हैं जिनसे अमीर और प्रभावशाली वर्ग को फायदा हो, क्योंकि उनके पास आर्थिक और राजनीतिक शक्ति ज़्यादा होती है। गरीबों के वोटों का महत्व होने के बावजूद, उनकी संगठित आवाज़ कमज़ोर हो सकती है या उनके मुद्दों को राजनीतिक अजेंडे में उतनी जगह नहीं मिल पाती।

» सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करना

प्रश्न 17 (आसान). लोकतंत्र सामाजिक विविधताओं को क्यों संभालता है?
उत्तर – ताकि टकराव न हों और समाज में शांति बनी रहे।

प्रश्न 18 (आसान). क्या बहुमत का मतलब हमेशा भाषायी बहुसंख्यक का शासन होता है?
उत्तर – नहीं, बहुमत का मतलब हर चुनाव या फैसले में अलग-अलग समूह हो सकते हैं।

प्रश्न 19 (मध्यम). अगर कोई लोकतांत्रिक देश अल्पसंख्यकों की राय को नजरअंदाज करे तो क्या होगा?
उत्तर – तो वहां सामाजिक टकराव बढ़ सकते हैं और लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है, जैसा कि श्रीलंका में हुआ।

प्रश्न 20 (कठिन). लोकतंत्र सामाजिक मतभेदों को संभालने में तानाशाही से बेहतर क्यों है?
उत्तर – क्योंकि लोकतंत्र मतभेदों को दबाने की बजाय बातचीत और सहमति से सुलझाने की प्रक्रिया विकसित करता है, जबकि तानाशाही उन्हें दबाती है।

» नागरिकों की गरिमा और आजादी

प्रश्न 21 (आसान). लोकतंत्र में क्या हर व्यक्ति सम्मान पाना चाहता है?
उत्तर – हाँ, लोकतंत्र में हर व्यक्ति सम्मान पाना चाहता है।

प्रश्न 22 (आसान). तानाशाही में नागरिकों की गरिमा और आजादी का क्या होता है?
उत्तर – तानाशाही में नागरिकों की गरिमा और आजादी को अक्सर दबा दिया जाता है।

प्रश्न 23 (मध्यम). लोकतंत्र महिलाओं की गरिमा को कैसे बढ़ावा देता है?
उत्तर – लोकतंत्र महिलाओं को समानता और अधिकार देता है, जिससे वे अपने खिलाफ गलत मान्यताओं और व्यवहारों के लिए संघर्ष कर सकें।

प्रश्न 24 (कठिन). आज भी जातिगत भेदभाव के उदाहरण मिलते हैं, फिर भी हम कैसे कह सकते हैं कि लोकतंत्र ने कमजोर जातियों के दावों को बल दिया है?

उत्तर – आज भले ही जातिगत भेदभाव के कुछ उदाहरण दिखते हों, लेकिन लोकतंत्र ने कमजोर जातियों को कानूनी और नैतिक रूप से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का मंच दिया है। पहले की तरह अब भेदभाव को कानूनी या नैतिक बल नहीं मिलता, जिससे उन्हें समान दर्जा और अवसर के दावे को मजबूती मिली है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए एक गाँव में सड़क बनानी है, और गाँव के लोग इस काम का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

› पहला कदम: गाँव के लोग सड़क की जरूरत और गुणवत्ता पर अपनी उम्मीदें तय करेंगे – जैसे, क्या सड़क कच्ची होगी या पक्की? क्या बारिश में पानी भरेगा?

› दूसरा कदम: पंचायत लोकतांत्रिक तरीके से सभी की राय लेगी, फंड जुटाएगी, और काम शुरू करेगी।

› तीसरा कदम: जब सड़क बन जाएगी, तो गाँव वाले यह देखेंगे कि क्या सड़क उनकी उम्मीदों के मुताबिक बनी है – क्या अब आने-जाने में आसानी है? क्या सड़क टूटी तो नहीं है? क्या इसमें सभी को फायदा हुआ?

› चौथा कदम: अगर सड़क अच्छी बनी है, तो वे कहेंगे कि लोकतंत्र ने अच्छा काम किया। अगर नहीं, तो वे सवाल उठाएंगे और सुधार की मांग करेंगे, जो लोकतंत्र का ही एक हिस्सा है।

उत्तर – गाँव वाले सड़क की गुणवत्ता और उपयोगिता के आधार पर लोकतंत्र के निर्णय का मूल्यांकन कर सकते हैं।

उदाहरण 2. एक लोकतांत्रिक सरकार 'पारदर्शिता' को कैसे बढ़ावा देती है?

› पारदर्शिता का मतलब है, सरकार के काम और फैसलों की जानकारी आम लोगों को उपलब्ध हो।

› लोकतांत्रिक सरकारें सूचना का अधिकार (RTI) जैसा कानून बनाती हैं।

› इसके तहत नागरिक सरकार के किसी भी विभाग से जानकारी मांग सकते हैं कि कोई फैसला कैसे लिया गया, या किसी योजना में कितना पैसा खर्च हुआ।

› इससे सरकार को पता होता है कि उसके हर काम पर लोगों की नज़र है, और वह ज़्यादा सावधानी से काम करती है।

उत्तर – सूचना का अधिकार (RTI) जैसे कानूनों से लोकतांत्रिक सरकारें पारदर्शिता को बढ़ावा देती हैं, जिससे नागरिक उनके काम पर नज़र रख सकते हैं।

उदाहरण 3. कुछ अध्ययनों के अनुसार, 1950 से 2000 के बीच, आर्थिक संवृद्धि दर के मामले में लोकतांत्रिक शासन (औसत 3.95%) की तुलना में तानाशाही (औसत 4.42%) का रिकॉर्ड थोड़ा बेहतर रहा। इसका क्या मतलब है?

› पहला कदम यह समझना है कि ये आँकड़े औसत दरें दिखाते हैं। इसका मतलब ये नहीं कि हर तानाशाही वाला देश लोकतांत्रिक देश से ज़्यादा विकसित हुआ, बल्कि एक औसत निकाला गया है।

› दूसरा कदम यह देखना है कि भले ही तानाशाही का रिकॉर्ड 'थोड़ा बेहतर' है, लेकिन इसका अंतर बहुत ज़्यादा नहीं है। 4.42% और 3.95% में बहुत बड़ा फर्क नहीं है।

› तीसरा कदम यह सोचना है कि आर्थिक विकास सिर्फ शासन प्रणाली पर निर्भर नहीं करता। देश की जनसंख्या कितनी है, वैश्विक बाज़ार में उसकी क्या स्थिति है, दूसरे देश कितना सहयोग करते हैं, और सरकार की अपनी आर्थिक प्राथमिकताएं क्या हैं - ये सब भी बहुत मायने रखते हैं।

› चौथा कदम यह समझना है कि जब हम सिर्फ गरीब या कम विकसित देशों की बात करते हैं, तो लोकतांत्रिक और तानाशाही शासन वाले देशों के बीच विकास दर का अंतर लगभग खत्म हो जाता है। इसका मतलब है कि गरीबी में, दोनों तरह की सरकारें लगभग एक जैसा प्रदर्शन करती हैं।

उत्तर – तो इसका मतलब यह है कि आर्थिक संवृद्धि के मामले में तानाशाही का रिकॉर्ड भले ही थोड़ा बेहतर दिखा हो, लेकिन यह अंतर मामूली है और इसे देखकर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि लोकतंत्र आर्थिक विकास के लिए अच्छा नहीं है। अन्य कारक और गरीब देशों के संदर्भ में यह अंतर नगण्य हो जाता है।

उदाहरण 4. मान लो, एक देश की कुल आय (GDP) में 10% की वृद्धि हुई है। क्या इससे सभी नागरिकों की आय भी 10% बढ़ जाएगी? समझाओ।

› नहीं, ज़रूरी नहीं कि कुल आय में वृद्धि का मतलब यह हो कि हर नागरिक की आय भी उसी अनुपात में बढ़ेगी।

› अक्सर ऐसा होता है कि आर्थिक विकास का ज़्यादातर फायदा समाज के कुछ अमीर वर्गों को मिलता है।

› गरीब और मध्यम वर्ग को इस विकास का बहुत कम या न के बराबर फायदा मिल पाता है, जिससे असमानता और बढ़ जाती है।

› लोकतांत्रिक सरकारों के सामने यही चुनौती होती है कि वे विकास के फायदे को सभी लोगों तक कैसे पहुंचाएं।

उत्तर – नहीं, देश की कुल आय में वृद्धि से सभी नागरिकों की आय समान रूप से नहीं बढ़ती, बल्कि अक्सर असमानता बढ़ जाती है।

उदाहरण 5. मान लो, एक क्लास में 30 बच्चे हैं। 20 बच्चे हिंदी बोलना चाहते हैं और 10 बच्चे कन्नड़। क्लास कैप्टन को सबको साथ लेकर चलना है, तो वह कैसे सामंजस्य स्थापित करेगा?

› पहला कदम: कैप्टन यह समझेगा कि सभी बच्चों की भाषा महत्वपूर्ण है।

› दूसरा कदम: वह एक नियम बना सकता है कि आधे पीरियड हिंदी में बात होगी और आधे में कन्नड़ में, या हफ्ते के अलग-अलग दिन।

› तीसरा कदम: वह यह भी सुनिश्चित करेगा कि अगर कोई हिंदी बोलने वाला बच्चा कन्नड़ सीखना चाहे, तो कन्नड़ वाले उसकी मदद करें, और इसके विपरीत भी।

› चौथा कदम: इस तरह, किसी को भी यह नहीं लगेगा कि उसकी बात नहीं सुनी जा रही है या उसे अनदेखा किया जा रहा है।

› पांचवां कदम: सबको महसूस होगा कि वे एक ही क्लास का हिस्सा हैं, जहाँ सबकी राय को महत्व दिया जाता है।

उत्तर – कैप्टन ने दोनों भाषाओं के बच्चों की बात सुनी और एक ऐसा समाधान निकाला जहाँ किसी को भी अकेला महसूस न हो, और सब मिलकर सीख सकें।

उदाहरण 6. एक ऐसे लोकतांत्रिक समाज में जहाँ पहले महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था, उन्हें यह अधिकार कैसे मिला?

› पहला कदम: महिलाओं ने अपने अधिकारों की मांग उठाई और इसके लिए कई आंदोलन किए।

› दूसरा कदम: लोकतांत्रिक व्यवस्था में इन आवाज़ों को सुना गया और उन पर बहस हुई।

› तीसरा कदम: सरकार ने कानूनों में बदलाव किए और महिलाओं को वोट देने का संवैधानिक अधिकार दिया गया।

› चौथा कदम: इस अधिकार के मिलने से महिलाएं भी चुनाव में हिस्सा ले सकीं और सरकार चुनने में अपनी भूमिका निभा सकीं।

उत्तर – लोकतांत्रिक प्रक्रिया के ज़रिए महिलाओं को उनके संघर्ष और अधिकारों की पहचान मिली, जिससे उन्हें वोट का अधिकार मिला और उनकी गरिमा व आजादी सुनिश्चित हुई।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन किन आधारों पर किया जाना चाहिए। इन पांच बिंदुओं को याद रखना और उदाहरणों के साथ समझाना आपको अच्छे अंक दिलाएगा।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! 'उत्तरदायी', 'जिम्मेदार', और 'वैध' – इन तीनों शब्दों का अर्थ और लोकतंत्र में इनके महत्व को उदाहरणों के साथ समझाना आना चाहिए। पारदर्शिता और सूचना का अधिकार जैसे बिंदुओं को भी लिखना मत भूलना, पूरे नंबर मिलेंगे!

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें आपको लोकतांत्रिक और गैर-लोकतांत्रिक सरकारों के आर्थिक प्रदर्शन की तुलना करनी होती है और साथ ही यह भी बताना होता है कि अकेले आर्थिक विकास ही लोकतंत्र को आंकने का पैमाना क्यों नहीं है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर सीधे प्रश्न आते हैं कि लोकतंत्र सामाजिक विविधताओं को कैसे संभालता है, या बहुमत और अल्पसंख्यक के संबंध पर टिप्पणी करने को कहा जाता है। बेल्जियम का उदाहरण याद रखना!

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'महिलाओं की गरिमा' और 'कमजोर जातियों के अधिकार' पर पूछे गए सवालों में आप लोकतंत्र की भूमिका को उदाहरणों के साथ समझा सकते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› लोकतंत्र का मूल्यांकन: समानता, गरिमा, बेहतर फैसले, टकराव प्रबंधन, सुधार की गुंजाइश।

› लोकतंत्र: लोगों के प्रति उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन।

› लोकतंत्र का आर्थिक विकास पर प्रभाव: तानाशाही का रिकॉर्ड थोड़ा बेहतर, पर अन्य कारक महत्वपूर्ण।

› लोकतंत्र: सामाजिक विविधताएँ + सामंजस्य = शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व।

› लोकतंत्र व्यक्ति की गरिमा व आजादी को बढ़ावा देता है, विशेषकर महिलाओं व कमजोर वर्गों के लिए।